Antarvasna™
अन्तर्वासना

बदले की आग-7

“मैंने उसके होंटों पर पप्पी लेते हुए उसके चुचूकों पर नाख़ून गड़ाए और कहा- पहले अपनी फुद्दी का दर्शन तो करा दो। कुसुम ने बिना देर किये अपनी पजामी नीचे… [Continue Reading] …”

Story By: उषा मस्तानी (mastaniusha)
Posted: Wednesday, March 5th, 2014
Categories: लड़कियों की गांड चुदाई
Online version: बदले की आग-7

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बदले की आग-7

मैंने उसके होंटों पर पप्पी लेते हुए उसके चुचूकों पर नाख़ून गड़ाए और कहा- पहले अपनी फुद्दी का दर्शन तो करा दो।

कुसुम ने बिना देर किये अपनी पजामी नीचे सरका दी, उसकी चिकनी जांघें और लड़कियों जैसी चूत अपनी जवानी का मुजरा पेश कर रही थीं।

मैंने उसकी चूत के होंटों पर उंगली फिराते हुए कहा- आह, आज तो मज़ा आ जाएगा ! तुम्हारी जवानी तो बड़ी रसीली है !

उसकी टांगें फ़ैला कर मैंने अपना हाथ उसके योनि प्रदेश में घुसा दिया और उसकी चूत और जांघें सहलाने लगा।

कुसुम अब पूरी नंगी थी और मेरी जाँघों पर बैठी हुई थी उसकी चूत में उंगली करते हुए मैंने पूछा- यह बताओ, बाकी के रुपए कहाँ से आए ?

कुसुम रोते हुए बोली- मैं रेलवे कॉलोनी में एक साहब के यहाँ नौकरी करती हूँ, पच्चीस हजार साहब से लिए थे। बदले में उन्होंने मेरी चूत और गांड दोनों चोद दी और मेरी फिल्म भी बना ली है, अब रोज़ मेरी जवानी लूटते हैं। मेरे साथ सब तरह का काम करते हैं। उनकी बीवी गाँव में रहती है। उन्होंने मुझे अपनी रखैल बना कर रखा हुआ है। ऊपर से पैसे और वापस मांग रहे थे। मुझसे कह रहे थे पैसे वापस कर नहीं तो मेरे दोस्तों से चुदना शुरू कर। आप मुन्नी दीदी की तरह मेरी भी नौकरी लगवा दो ना, मैं उनके पैसे लौटा दूंगी। उस 55 साल के बुड्ढे से तो अच्छा है आप पर अपनी जवानी लुटवाऊँ।

कुसुम की चिकनी जांघों और चूत पर हाथ फिराते हुए मैंने उसका दाना रगड़ा और कहा-

तुम उसे अब चाहे जितने पैसे वापस कर दो वो तुम्हारी चूत का रस पीना नहीं छोड़ेगा, उसे उसके हथियार से ही मारना पड़ेगा। मैं तुम्हें उस बदमाश आदमी से छुट्टी दिला दूँगा।

मैंने उसकी चूत के होंट सहलाते हुए कहा- बदले में तुम्हें अपनी मुन्नी प्यार से मुझसे चुदवानी पड़ेगी।

कुसुम मेरी पैंट के बटन खोलते हुए बोली- आप मेरी आज ही चोद लीजिये पर आप मुझे उस कमीने से छुट्टी दिला दें।

कुसुम के दोनों चुच्चे दबाते हुए मैंने उसके चुचूक उमेठे और बोला- तुम उनका फिल्म वाला मोबाइल चुरा लाओ।

कुसुम मुझसे चिपकते हुए बोली- उनके कंप्यूटर में भी वो फिल्म है।

मैंने उसे चिपकाते हुए कहा- तुम भोली हो ! मोबाइल चुरा कर लाओ ! उसमें तुम्हारी चुदाई की फिल्म होनी चाहिए।

मैंने उसके कान में अपना प्लान बताया। कुसुम ने इस बीच मेरी पैंट खोलकर मेरा लण्ड बाहर निकाल लिया। उसे अपने हाथ से वो धीरे धीरे सहला रही थी, मुझसे बोली- आप मेरी इतनी मदद कर रहे हैं तो एक मदद और कर दो !

मैंने कहा- और क्या ?

मेरे लण्ड के सुपारे पर उँगलियाँ फिराती हुई बोली- इस मोटू को जल्दी से मेरी चूत में डाल दो ना ! बहुत खुजली हो रही है।

मैंने कुसुम के स्तन दबाते हुए कहा- पहली बार जब भी मैं किसी औरत को चोदता हूँ तो वो मेरा लण्ड अपनी चूत में खुद लेती है, मैं जबरदस्ती किसी की चूत नहीं मारता।

कुसुम मुस्कराई और बोली- आपके लण्ड को चूत में लेकर मुझे बहुत खुशी होगी। आप अपने कपड़े तो उतार दीजिए !

मैंने उसकी पटाखा चूत की तरफ देखा चमचम चूत फड़क रही थी और मेरे लण्ड को कुश्ती के लिए बुला रही थी।
मैंने उसे उठाकर अपने कपडे उतारे और पलंग पर लेट गया।
मेरा तना हुआ लण्ड कुसुम को चुदने के लिए बुलाने लगा।

कुसुम नज़रें नीची करते हुए मेरे लौड़े के ऊपर आकर बैठने लगी उसकी चूत का छेद मेरे सुपाड़े से टकराया और उसके बाद चूत फिसलती हुई मेरे लण्ड को अपने अंदर लील गई।

मैंने कुसुम को अपने से चिपका लिया और मैंने उसकी गर्म जाँघों पर अपनी टांगें लपेट लीं और और उसके होंट चूसने लगा।

कुसम मस्ती भरी आहें भरने लगी मेरे बाल सहलाते हुए बोली- चोदो न बड़ा मज़ा आ रहा है।

मैंने उसे पलटी खिलाकर अपने नीचे कर लिया और उसकी चूत चोदना शुरू कर दिया।

वो चुदाई का मज़ा लेने लगी चूत फटी हुई थी लेकिन एक जवान औरत का मज़ा अलग ही होता है उह अह ईह की आवाज़ों ने सेक्स का आनन्द बढ़ा दिया था लण्ड उसकी सुरंग में दौड़ रहा था।

आज मैं एक नई हसीना की चूत का मज़ा ले रहा था।

हम दोनों का बदन एक दूसरे से रगड़ खा रहा था।

उसकी चूत का मज़ा 3-4 आसनों से चोद चोद कर मैंने खुद भी लिया और उसको भी दिया।

उसके बाद हम अलग हो गए, अगले दिन मिलने का वादा करके मैं आ गया।

अगले दिन कुसुम साहब का मोबाइल चुरा कर ले आई, उसकी चार मिनट की ब्लू फिल्म में उसका चेहरा और चुदती चूत दिख रही थी, साहब की सिर्फ पीठ दिख रही थी।

मैंने देखा साहब की पीठ पर 3-4 तिल थे और उनके हाथ पर ॐ लिखा था। इतना मेरे लिए काफी था।

फोन मैंने ओन कर दिया, उसमें रमेश के ऑफिस का नंबर था, उधर मेरी बात हुई, मैंने कहा- रमेश का मोबाइल एक कूड़ादान में पड़ा मिला है, अपने नंबर पर रिंग कर लें।

थोड़ी देर बाद रमेश का फोन आ गया।

मैंने हँसते हुए कहा- क्या रमेश, मोबाइल पर तुम्हारी और तुम्हारी नौकरानी की ब्लू फ़िल्म पड़ी हुई है। क्या मस्त लण्ड है तुम्हारा। हाथ पर लिखा ॐ और पीठ के तिल तो तुम्हारे चेहरे से भी सुंदर लग रहे हैं।

रमेश की आवाज़ से पता चल गया कि वो परेशान है।
वो बोला- तू हरामी कौन बोल रहा है ? साले मरवा दूँगा।

मैं बोला- पहले तेरे बॉस से बात कर लूँ, फिर तुझसे बात करता हूँ।

मैंने फोन काट दिया।

थोड़ी देर बाद मैंने एक औरत को सौ रुपए देकर रमेश के नए नंबर पर PCO से फ़ोन कराया और उससे कहा- महिला विभाग से बोल रहे हैं, आपकी ब्लू फिल्म बनाने की शिकायत आई है, आप मामला सुलझा लो, वरना दिक्कत हो सकती है।

इस बीच रमेश के घर मैंने एक दोस्त से दूसरे नंबर से फ़ोन करवा दिया कि रमेश जी रण्डियों के चक्कर में पड़ गए हैं।

थोड़ी देर में रमेश का फोन आ गया, अब वो समझौते के मूड में था, मैंने उससे कहा- कल कुसुम को तीस हजार रुपए दे देना और उसके पैर छूकर माफ़ी मांग लेना ! तेरा मोबाइल नाली में डाल दूँगा और कुसुम की सारी फ़िल्में मिटा देना। कुसुम को कभी कोई दिक्कत हुई तो तेरी और तेरी नौकरी की खैर नहीं।

अगले दिन रमेश ने बिना कहे कुसुम को तीस हजार रुपए दे दिए और मेरे कहे मुताबिक पैर छुकर उससे माफ़ी मांग ली।

पैसे लेने के बाद कुसुम मुझसे मिलने पार्क मैं आ गई और मुझसे चिपक गई, बोली- रमेश जी, तो मेरे पैरों में पड़ गए। आपने मुझे बचा लिया !

मैंने उसके होंटों में होंट डालकर काटते हुए कहा- उस दिन तो टेंशन में तुमने अपनी चूत चुदवाई थी, आज खुशी खुशी मुझे खुश कर दो। कुसुम बोली- जब से मुझे रमेश जी से छुट्टी मिली है, मेरा भी आपसे चुदने का बहुत मन कर रहा है चलिए कमरे पर चलते हैं।

मैं कुसुम को परिचित अड्डे पर ले गया।

कुसुम बोली- ये रुपए आप रख लो।

उसके पास बीस नोट एक हज़ार के थे और एक सौ की गड्डी थी।

मैंने उसे पैसे वापस करते हुए कहा- ये तुम्हारे पैसे हैं, तुम चाहो तो मुन्नी को उसके पैसे वापस कर देना।

कुसुम से बोला- चलो पहले तुम्हारी मुन्नी से खेल लें, फिर आगे की सोचते हैं।

मैंने कहा- आज तुम्हारी प्यार वाली चुदाई करूँगा !

अपनी शर्ट पेंट उतारते हुए कहा- अब तुम भी अपने कपड़े उतार लो, प्यार भरी चुदाई का मज़ा अलग ही होता है।

कुसुम ने अपने कपड़े उतारने शुरू कर दिए, ब्लाउज उतारते हुए बोली- आप दीदी को यह मत बताना कि मैंने पैसे चुराए थे !

आगे बढ़कर मैंने उसके दूध हाथों में बंद कर लिए और दबाते हुए बोला- ये सब बातें अब बाद में, पहले प्यार।

कुसुम अब चड्डी में थी, उसका पूरा नंगा बदन मेरी आँखों के सामने था।
उसकी तराशी हुई मांसल जांघें, नंगी दूधिया चूचियाँ और चमकती गहरी नाभि ने मेरे लण्ड को फुला कर रख दिया था।

मुझसे रहा नहीं गया, मैंने अपनी चड्डी उतार कर लण्ड बाहर निकाल लिया।

कुसुम मेरी बाहों में आ गई मेरे लण्ड को पकड़ते हुए बोली- कितना सुंदर लोड़ा है आपका !मेरी चूत में डालिए न, बहुत खुजला रही है।देर क्यों कर रहे हैं !

मैंने उसकी चूचियाँ मलते हुए कहा- पहले अपनी चड्डी तो उतार लो या चड्डी के ऊपर से ही घुसवाएगी ?

कुसुम ने मेरे कहने पर अपनी चड्डी उतार ली और वो मेरी एक टांग पर जांघें फ़ैला कर बैठ गई, उसकी चिकनी चूत देखने लायक थी।
मैंने अपने एक हाथ से उसकी चूत के होंटों और दाने से खेलना शुरू कर दिया।

कुसुम मेरे लण्ड की मुठ मारने लगी।

उसके भावों से मुझे लग गया था कि वो पूरे दिलोजान से मुझसे चुदना चाह रही है।

उसे हटाकर मैं आराम से दीवार पर टेक लगा कर बैठ गया और बोला- आज यह लण्ड तुम्हारा है, आओ, इसके ऊपर बैठ जाओ।

कुसुम अपनी चूत को सुपाते के मुँह पर छुलाती हुई मेरे लोड़े पर बैठ गई और एक कुशल खिलाड़िन की तरह पूरा लोड़ा अपनी चूत में ले लिया और अपनी जीभ मेरे मुँह में घुसा कर चूसने लगी।

कुसुम की जवानी मसलने में मुझे मुन्नी और गीता की चुदाई से ज्यादा मज़ा आ रहा था। नीचे से हौले हौले धक्के मारते हुए मैं उसकी चूत चोद रहा था और उसकी छोटी छोटी चूचियाँ दबा रहा था।

इस समय हम दोनों की आँखों में आनन्द का भाव था। थोड़ी देर इस तरह चोदने के बाद उसकी टांगें फ़ैलाकर उसे लेटा दिया, लण्ड उसकी चूत में पेल दिया और कुसुम के नुकीले चुचूकों को चूसते और उमेठते हुए उसे चोदने लगा।

एक दूसरे की सांसों और आहों का का मज़ा लेते हुए हम दोनों चुदाई का खेल खेल रहे थे।

कुछ देर में मेरा और उसका रस एक साथ छुटा।

दस मिनट आराम के बाद मैंने कुसुम को लोड़ा चूसने के लिए कहा, वो ख़ुशी ख़ुशी मेरे सिकुड़े हुए लण्ड को मुँह में लेकर चूसने लगी। लण्ड दुबारा उसके मुँह में गर्म होने लगा।

मैंने भी मुँह उसकी चूत के फलकों पर लगा दिया और जीभ उसकी चूत में घुसा दी। अब हम 69 में एक दूसरे के अंगों को चूस रहे थे।

मैंने उसकी गांड में उंगली करी तो गांड चुदी हुई थी। कुछ देर बाद कुसुम को अलग करते

हुए बोला- तुम्हारी गांड तो अच्छी चुदी हुई लग रही है। किस किस से चुदवा चुकी हो?

मेरे से चिपकते हुए कुसुम बोली- शादी से पहले मेरे जीजाजी अक्सर मेरी गांड चोदते थे, उन्होंने ही मेरी गांड की सील तोड़ी थी और शादी के बाद से मेरे पति मेरी गांड ही ज्यादा मारते हैं, चूत में तो जब भी उन्होंने डाला तो 10 सेकंड में झड़ गए। रमेश जी का बुड्ढा लण्ड था एक मिनट से पहले ही वो झड़ जाते थे। सच बताऊँ तो कल पहली बार आपने चूत का असली मज़ा दिया है और आज तो आपने पूरा मस्त कर दिया, पहली बार चूत की पूरी आग बुझी है। अब तक तो मुझे गांड चुदवाने में ही ज्यादा मज़ा आता था। आप भी एक बार मेरी गांड चोदिये न।

मैंने कुसुम को घोड़ी बनाकर लण्ड उसकी गांड में डाल दिया प्यार से कुसुम ने गांड को आगे पीछे हिला कर लण्ड पूरा अंदर ले लिया मैंने उसकी गांड चोदनी शुरू कर दी। चुदते हुए 'आह... बड़ा मज़ा आया... आह... और चोदो...' की आहें भर कर वो अपनी खुशी प्रकट कर रही थी।

अगर औरत चुदने का मज़ा ले तो चुदाई का आनन्द दुगना हो जाता है। मैं आगे धक्का मारता तो पीछे हटते हुए चुदने लगती।

एक आनन्द का माहौल था, काफ़ी गांड चुदाई के बाद मैंने अपना वीर्य कुसुम की गांड में भर दिया।

इसके बाद कुसुम मेरी बाँहों में चिपक गई और बोली- यह चूत अब आपकी है !

और उसने अपनी चूत का फ्री लाइसेंस मुझे दे दिया। आज उसको तीनों छेदों का सुख जो मिला था।

मैंने उसको बाँहों में भरकर बताया कि मुन्नी को पैसे पाने के लिए क्या क्या करना पड़ा और

अगर उसे पता चल गया कि तुम चोर हो तो वो तुम्हें दो दो लण्डों से गीता भाभी के सामने चुदवाएगी।

कुसुम रोते हुए बोली- मुन्नी मेरी अच्छी सहेली है। कल बेचारी ने पति से छुप कर हज़ार के दो नोट दिए थे, बोली थी 'अपने घर भेज देना, तेरे मम्मी पापा मुश्किल में हैं।' आप उसे कुछ मत बताना।

कुसुम बोली- मैं पच्चीस हजार उसके डिब्बे में वापस रख दूँगी, कम से कम मुन्नी को पैसे तो मिल जाएंगे।

कहानी जारी रहेगी।
mastaniusha@gmail.com